

# बिल्लेसुर बकरिहा

---

लेखक

पं० सूर्यकान्त त्रिपाठी, निराला

---

पहला संस्करण
सन् १९४२

मूल्य चौदह-आने १)

प्रकाशक
चौधरी राजेन्द्र शङ्कर
युग-मंदिर, उन्नाव

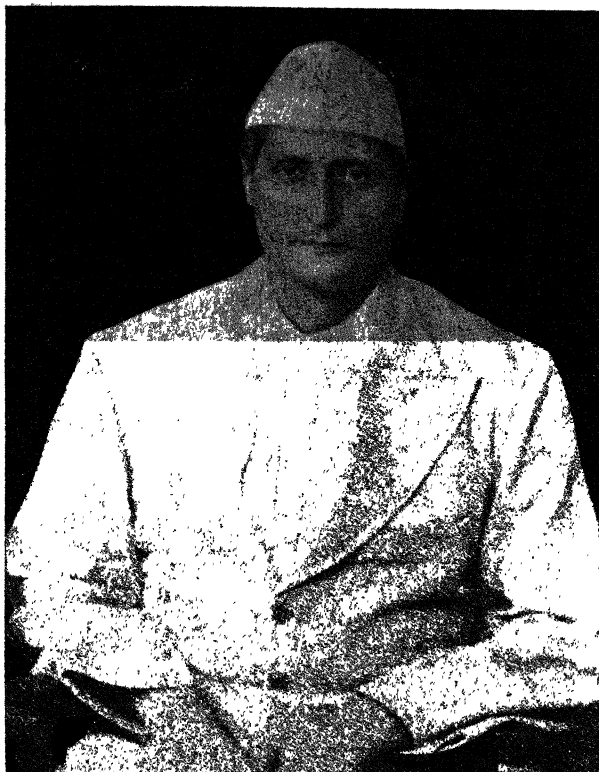
मुद्रक
पं० भृगुराज भार्गव
अवध-प्रिंटिंग-वर्क्स, लखन

# प्राक्कथन

'बिल्लेसुर बकरिहा' हास्य लिये एक स्केच है। मुझे विश्वास है, पाठकों का मनोरंजन होगा।

लखनऊ
२५ दिसम्बर १९४१

निराला



श्री पं० सूर्यकान्त त्रिपाठी, 'निराला'